जीवन चार दिनों का फेरा | By Mukesh Bagda

जीवन चार दिनों का फेरा
छोड़ के बन्दे तेरा मेरा
तुझको जाना होगा
तुझको जाना होगा

झूठी जगत की है सारी ये माया
तेरी तो अपनी नहीं तेरी काया
ओ रे दीवाने काहे तू भरमाये.....२
कोड़ी के बदले ज़िंदगानी बिताई
तुझको जाना होगा
तुझको जाना होगा

खाली हाथों को लेकर जग में तू आया
झूठी दौलत पे काहे तू इतराया
साथ तेरे ना ये जायेगी माया.....२
खाली हाथों ही तेरी होगी विदाई
तुझको जाना होगा
तुझको जाना होगा

औरों की खातिर जिसने जीना है जाना
हर्ष सफल है उसका दुनिया में आना
हारे हुए का प्यारे साथी बने तो २
होगी प्रभु से तेरी प्रेम सगाई
तुझको जाना होगा
तुझको जाना होगा

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%9c%e0%a5%80%e0%a4%b5%e0%a4%a8-%e0%a4%9a%e0%a4%be%e0%a4%b0-%e0%a4%a6%e0%a4%bf%e0%a4%a8%e0%a5%8b%e0%a4%82-%e0%a4%95%e0%a4%be-%e0%a4%ab%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a4%be-by-mukesh-bagda/